एम0ए0 हिंदी का पाठ्यक्रम द्विवर्षीय है, जिसमें **चार सेमेस्टर** हैं। प्रत्येक सेमेस्टर में चार–चार प्रश्नपत्र हैं। प्रत्येक प्रश्नपत्र 100 अंकों का है। लिखित परीक्षा के लिए **75 अंक** और आंतरिक मूल्यांकन (एसाइन्मेंट्स आदि) के लिए **25 अंक** निर्धारित किए गए हैं।

द्वितीय सत्रार्ध (Second Semester)

पंचम प्रश्न–पत्र

आधुनिक हिंदी काव्य (छायावाद तक) : **पूर्णांक : 100 (75+25)**

निर्धारित पाठ्य पुस्तकें :

1. जगन्नाथदास 'रत्नाकर' : **उद्धत शतक** (व्याख्या हेतु प्रारंभिक 25 पद), नागरी प्रचारिणी सभी काशी।
2. मैथिलीशरण गुप्त : **साकेत** (व्याख्या के लिए केवल नवम सर्ग), साकेत प्रकाशन, चिरगाँव झाँसी।
3. जयशंकर प्रसाद : **कामायनी** (व्याख्या के लिए केवल श्रद्धा और इड़ा सर्ग), नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
4. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला : **राग–विराग**, संपा0 रामविलास शर्मा (व्याख्या के लिए **'राम की शक्तिपूजा**), लोकभारती प्रकाशन, महात्मा गाँधी मार्ग, इलाहाबाद।
5. सुमित्रानंदन पंतः **रश्मिबंध** (व्याख्या के लिए प्रारंभिक 15 कविताएँ), राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. महादेवी वर्मा : **संधिनी** (व्याख्या के लिए कविता संख्या 25 से 40 तक), लोकभारती प्रकाशन, महात्मा गाँधी मार्ग, इलाहाबाद।

अंक विभाजन

(1) उक्त सभी पाठ्य पुस्तकों से तीन व्याख्याएँ पूछी जाएँगी :	3 X 10 = 30 अंक
(2) दो आलोचनात्मक प्रश्न :	2 X 10 = 20 अंक
(3) पाँच लघूत्तरी प्रश्न :	5 X 3 = 15 अंक
(4) दस वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न :	10 X 1 = 10 अंक
(5) आंतरिक मूल्यांकन (एसाइन्मेंट्स आदि) :	25 अंक

सहायक ग्रंथ :

1. मैथिलीशरण गुप्तः प्रासंगिकता के अंतःसूत्र– डॉ0 कृष्णदत्त पालीवाल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. मैथिलीशरण गुप्त के काव्य में अलंकार विधान– डॉ0 जगतसिंह बिष्ट, ग्रंथायन, अलीगढ़।
3. साकेत : एक अध्ययन– डॉ0 नगेन्द्र।
4. साकेत के नवम् सर्ग का काव्य वैभव– कन्हैया लाल।
5. मैथिलीशरण गुप्त का साहित्य– द्वारिका प्रसाद मीतल।
6. प्रसाद का काव्य– डॉ0 प्रेमशंकर, रामकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. प्रसाद, निराला, अज्ञेय तथा कामायनी का पुनर्मूल्यांकन– रामस्वरूप चतुर्वेदी।
8. प्रसाद काव्य में ध्वनि तत्व– डॉ0 मानवेन्द्र पाठक, ईस्टर्न बुक लिंकर्स, दिल्ली–7
9. प्रसाद, निराला–अज्ञेय– डॉ0 रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
10. प्रसाद और वर्ड्सवर्थ के गीतिकाव्य का तुलनात्मक अध्ययन– डॉ0 रंजना पोखरिया, अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी।
11. कामायनी पर शैवदर्शन का प्रभाव– डॉ0 राजकुमार गुप्त।
12. कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ– डॉ0 नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
13. कामायनी : एक पुनर्विचार– मुक्तिबोध।
14. कामायनी का पुनर्मूल्यांकन– डॉ0 रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
15. निराला की साहित्य–साधना (भाग 1, 2 तथा 3)– रामविलास शर्मा।
16. निराला : आत्महंता व्यक्तित्व– दूधनाथ सिंह।
17. क्रांतिकारी कवि निराला– बच्चन सिंह।
18. सुमित्रानंदन पंत– डॉ0 शेरसिंह बिष्ट, इंडियन पब्लिशर्स डिस्ट्रीब्यूटर्स, दिल्ली।
19. सुमित्रानंदन पंत के साहित्य का ध्वनिवादी अध्ययन– डॉ0 शेरसिंह बिष्ट, ग्रंथायन, अलीगढ़।
20. महादेवी वर्माः नया मूल्यांकन– गणपति चंद्र गुप्त।
21. छायावाद– डॉ0 नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
22. छायावाद– डॉ0 रमेशचंद्र शाह।
23. छंदशास्त्र के सिद्धांत और छायावादी काव्य में छंद योजना (भागः 1–2)– डॉ0 देवसिंह पोखरिया,
अंकित प्रकाशन, हल्द्वानी।
24. हिंदी भाषा एवं साहित्य : एक अंतर्यात्रा– डॉ0 शेरसिंह बिष्ट, इंडियन पब्लिशर्स डिस्ट्रीब्यूटर्स,
दिल्ली।
25. हिंदी स्वच्छंदतावादी काव्य– डॉ0 प्रेमशंकर, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

षष्ठ प्रश्न–पत्र

पाश्चात्य काव्यशास्त्र : **पूर्णांक : 100**

(75+25)

निर्धारित पाठ्यक्रम :

1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : संक्षिप्त परिचय, प्लेटो के काव्य सिद्धांत, अरस्तू : अनुकरण सिद्धांत, विरेचन

सिद्धात एवं त्रासदी विवेचन, लोंजाइन्स : उदात्त की अवधारणा एवं भेद।

2. मैथ्यू आर्नल्ड : कला और नैतिकता का सिद्धांत, क्रोचे : अभिव्यंजनावाद, आई0 ए0 रिचर्ड्स : काव्य

मूल्य, टी0 एस0 इलियट : कला की निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत।

3. वर्ड्सवर्थ : काव्यभाषा सिद्धांत, कॉलरिज : कल्पना सिद्धांत।

4. विविध वाद : स्वच्छंदतावाद, मनोविश्लेषणवाद, अस्तित्ववाद, संरचनावाद, उत्तर आधुनिकतावाद।

अंक विभाजन :

(1) उक्त सभी इकाइयों से तीन आलोचनात्मक प्रश्न :	3 X 15 = 45 अंक
(2) पाँच लघूत्तरी प्रश्न :	5 X 4 = 20 अंक
(3) दस वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न :	10 X 1 = 10 अंक
(4) आंतरिक मूल्यांकन (एसाइन्मेंट्स आदि) :	25 अंक

सहायक ग्रंथ :

1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र– डॉ0 तारकनाथ बाली, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. काव्य चिंतन की पश्चिमी परम्परा– डॉ0 निर्मला जैन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. उदात्त के विषय में– डॉ0 निर्मला जैन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. उत्तर आधुनिकता : कुछ विचार– देवीशंकर नवीन (सं0) वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. शैलीविज्ञान– डॉ0 सुरेश कुमार, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. शैली और शैली विश्लेषण– पाण्डेय शशिभूषण 'शीतांशु', वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. उत्तर आधुनिकता : बहुआयामी संदर्भ– पाण्डेय शशिभूषण 'शीतांशु,', लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
8. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : अधुनातन संदर्भ– डॉ0 सत्यदेव मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
9. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धांत– डॉ0 गणपतिचंद्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
10. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र की रूपरेखा– डॉ0 रामचन्द्र तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
11. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : अधुनातन संदर्भ– डॉ0 सत्यदेव मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
11. पाश्चात्य काव्यशास्त्र– डॉ0 देवेन्द्रनाथ शर्मा, डॉ0 देवेन्द्रनाथ शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
12. अरस्तू का काव्यशास्त्र– डॉ0 नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
13. बीसवीं शताब्दी की हिंदी आलोचना– डॉ0 निर्मला जैन।

14. साहित्यानुशीलन– डॉ0 राकेश गुप्त, सरस्वती प्रेस, इलाहाबाद।
15. काव्यशास्त्र के सिद्धांत– डॉ0 जगतसिंह बिष्ट, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।
16. आधुनिक हिंदी साहित्य में आलोचना का विकास– डॉ0 राजकिशोर।

सप्तम प्रश्न–पत्र

हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल) : **पूर्णांक : 100 (75+75)**

निर्धारित पाठ्यक्रम :

1. आधुनिक काल की पृष्ठभूमि : भारतेन्दु युग : प्रमुख प्रवृत्तियाँ, प्रमुख रचनाकार एवं उनकी रचनाएँ, द्विवेदी युग : प्रमुख प्रवृत्तियाँ, प्रमुख रचनाकार एवं उनकी रचनाएँ ।
2. छायावाद : प्रमुख प्रवृत्तियाँ, प्रमुख रचनाकार एवं उनकी रचनाएँ, छायावादोत्तर युग : प्रगतिवाद, प्रयोगवाद : प्रमुख प्रवृत्तियाँ, प्रमुख रचनाकार एवं उनकी रचनाएँ, समकालीन हिंदी साहित्य : पृष्ठभूमि, प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख कवि।
3. हिंदी गद्य साहित्य का विकास : नाटक, एकांकी, उपन्यास, कहानी एवं निबंध।
4. हिंदी का स्मारक साहित्य : संस्मरण, रेखाचित्र, जीवनी, आत्मकथा, यात्रावृत्तांत, फीचर, डायरी, रिपोर्ताज आदि।

अंक विभाजन :

(1) उक्त सभी इकाइयों से तीन आलोचनात्मक प्रश्न :	3 X 15 = 45 अंक
(2) पाँच लघूत्तरीय प्रश्न :	5 X 4 = 20 अंक
(3) दस वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न :	10 X 1 = 10 अंक
(4) आंतरिक मूल्यांकन (एसाइन्मेंट्स आदि) :	25 अंक

सहायक ग्रंथ :

1. हिंदी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास– डॉ0 मधुवन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. हिंदी साहित्य का इतिहास– डॉ0 रामसजन पाण्डे, नील कमल प्रकाशन, दिल्ली।
3. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास– डॉ0 बच्चन सिंह, नीलकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. हिंदी साहित्य का सरल इतिहास– डॉ0 विश्नाथ त्रिपाठी, ओरियण्टल ब्लैक स्वान, हिमायतनगर, हैदराबाद।
5. हिंदी साहित्य का उत्तरवर्ती काल– सत्यदेव मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
6. आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास– डॉ0 बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
7. हिंदी साहित्य का इतिहास– डॉ0 वियजेन्द्र स्नातक, भारतीय ग्रंथ निकेतन, नई दिल्ली।

अष्टम प्रश्न–पत्र

हिंदी कथा एवं नाटक साहित्य : **पूर्णांक : 100 (75+25)**

निर्धारित पाठ्य पुस्तकें :

1. प्रेमचंद : **गोदान**, सरस्वती प्रेस, इलाहाबाद।
2. हिमांशु जोशी : **कगार की आग**, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली।
3. सं0 बटरोही : **हिंदी कहानी के नौ कदम**, अल्मोड़ा बुक डिपो, अल्मोड़ा ।
4. जयशंकर प्रसाद : **स्कन्दगुप्त**, लीडर प्रेस, इलाहाबाद।
5. मोहन राकेश : **लहरों के राजहंस**, राधाकृष्ण प्रकशन नई दिल्ली।
6. संपा0 राकेश गुप्त एवं चतुर्वेदी : **एकांकी मानस** (संक्षिप्त संस्करण), ग्रंथायन, अलीगढ़।

अंक विभाजन :

(1) उक्त पुस्तकों में से **'गोदान', 'हिंदी कहानी के नौ कदम'** तथा **'स्कंदगुप्त'** से तीन व्याख्याएँ पूछी जाएँगी : 3 X 10 = 30 अंक

(2) दो आलोचनात्मक प्रश्न : 2 X 10 = 20 अंक

(3) पाँच लघूत्तरीय प्रश्न : 5 X 3 = 15 अंक

(4) दस वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न : 10 X 1 = 10 अंक

(5) आंतरिक मूल्यांकन (एसाइन्मेंट्स आदि) : 25 अंक

सहायक ग्रंथ :

1. कहानी के नये प्रतिमान– कुमार कृष्ण, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. समकालीन हिंदी नाटक और रंगमंच– डॉ0 नरेन्द्र मोहन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. प्रेमचंद : विरासत का सवाल– डॉ0 शिवकुमार मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन– डॉ0 जगन्नाथ प्रसाद शर्मा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. हिमांशु जोशी का कथा साहित्य– डॉ अनिल सालुखे, नील कमल प्रकाशन, दिल्ली।
6. हिंदी कहानीः पहचान और परख–डॉ0 इन्द्रनाथ मदान (सं.), भारतीय ग्रंथ निकेतन, नई दिल्ली।
7. हिंदी उपन्यास : पहचान और परख– डॉ0 इन्द्रनाथ मदान (सं0), भारतीय ग्रंथ निकेतन, नई दिल्ली।
8. हिंदी नाटक और रंगमंच : पहचान और परख– डॉ0 इन्द्रनाथ मदान (सं.), भारतीय ग्रंथ निकेतन, नई दिल्ली।
9. प्रसाद के नाटक : स्वरूप और संरचना– डॉ0 गोविंद चातक, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।

10. हिंदी एकांकी– सिद्धनाथ कुमार, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
11. प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन– डॉ0 जगन्नाथ प्रसाद शर्मा।
12. स्कन्दगुप्त एक नया मूल्यांकन– डॉ0 राजकुमार गुप्त।
13. मोहन राकेश के नाटक– डॉ0 सुषमा ग्रेवाल।
14. प्रेमचंद की प्रासंगिकता– अमृत राय।
15. कहानी : नई कहानी– डॉ0 नामवर सिंह।
16. कहानी : रचना प्रक्रिया और स्वरूप– डॉ0 बटरोही।
17. कहानी : संवाद का तीसरा आयाम– डॉ0 बटरोही।
18. कहानी का रचना–विधान– डॉ0 परमानंद श्रीवास्तव।
19. वर्तमान हिंदी महिला कथा–लेखन और दाम्पत्य जीवन– डॉ0 साधना अग्रवाल।
20. समकालीन कहानी– डॉ0 सविता मोहन।
21. गोदान : एक नव्यदृष्टि– डॉ0 शैलेश जैदी।